5G: CLASH OF THE TITANS

Its touted to be the mega clash of the titans for the 5G rollout. The battle royale has begun between Airtel & Jio. Airtel is making all out efforts to rollout its 5G network before Jio.

Airtel has claimed its end-to-end readiness to launch the high-speed technology in the country immediately after the availability of "adequate" spectrum. It has demonstrated live 5G services on its commercial 4G network in Hyderabad using 1800 MHz band.

Airtel claims it can commercially launch 5G services without the mid-band with the help of existing 4G spectrum bands but it will wait for the government to release 5G spectrum, especially in the mid-band.

Airtel is trying to position itself as the main 5G telecom operator in India. This announcement is interesting as it comes in the wake of Jio claiming it will launch 5G using its own 5G technology in the second half of 2021.

Airtel claims it can commercially launch 5G services

5 जी टाइटन्स का टकराव

5जी रोलआउट के लिए टाइटन्स की मेगा क्लैश होने की संभावना है। एयरटेल व जियो के बीच जबरदस्त लड़ाई शुरू हो गयी है। एयरटेल, जियो से पहले अपने 5जी नेटवर्क को रोल आउट करने के लिए सभी प्रयास कर रहा है।

एयरटेल ने पर्याप्त स्पेक्ट्रम की उपलब्धता के तुरंत बाद देश में उच्च गति वाली तकनीकी को लॉन्च करने के लिए अपनी पूर्णतया तत्परता का दावा किया है। इसने हैदराबाद में अपने वाणिज्यिक 4 जी नेटवर्क पर 1800 मेगाहर्ट्ज बैंड का उपयोग करते हुए 5जी सेवाओं का प्रदर्शन किया है। एयरटेल का दावा है कि वह मौजूदा 4जी स्पेक्ट्रम बैंड की मदद से मिड बैंड के बिना व्यवसायिक रूप से 5 जी सेवाओं को लॉन्च कर सकता है, लेकिन यह सरकार के 5जी स्पेक्ट्रम को जारी करने की प्रतिक्षा करेगा, ख़ासकर मिड बैंड में।

एयरटेल ख़ुद को भारत का मुख्य 5जी टेलीकॉम ऑपरेटर के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। यह घोषणा दिलचस्प है क्योंकि यह जियो के महेनजर यह दावा करता है कि यह 2021 की दूसरी छमाही में अपनी 5जी तकनीकी का उपयोग करके 5जी लॉन्च करेगी।

एयरटेल का दावा है कि वह मिड बैंड के बिना व्यावसायिक रूप

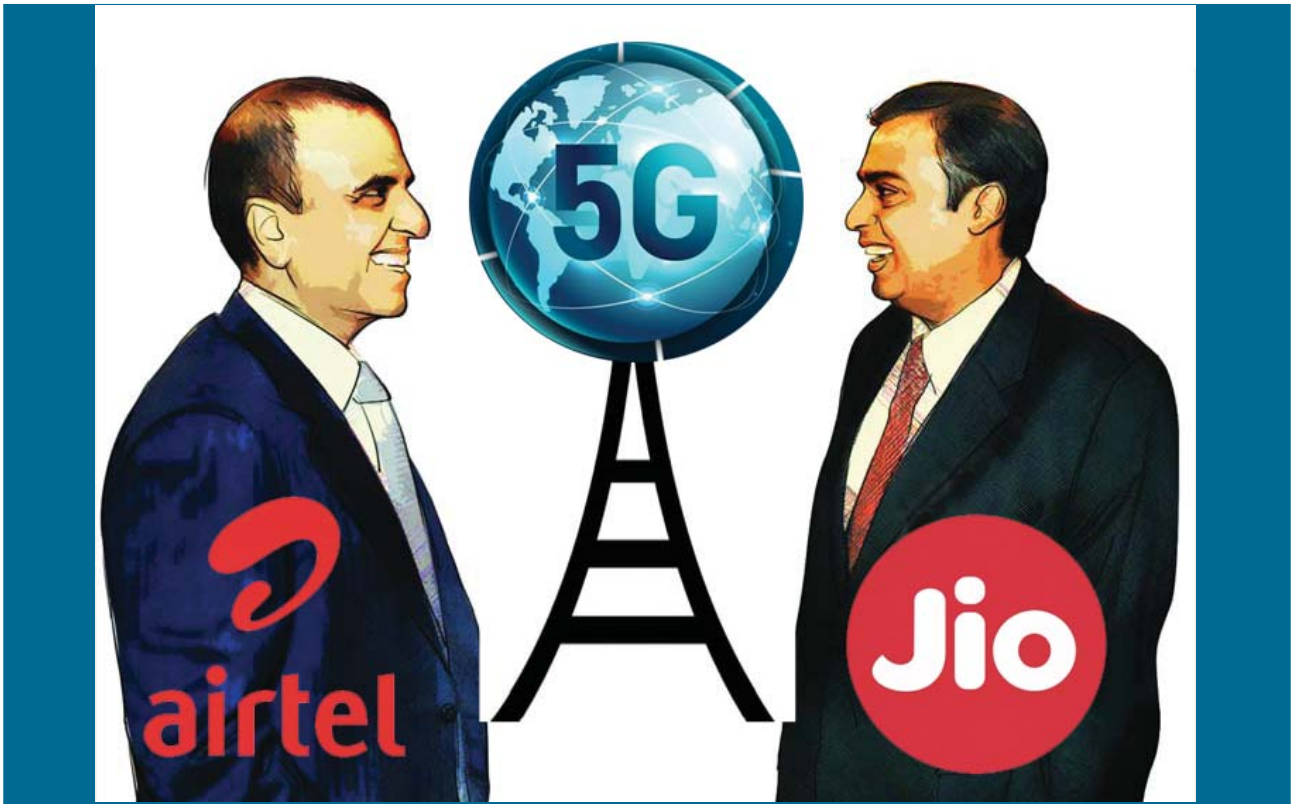

without the mid-band as its network now fully supports the high-speed technology.

"When we launch 5G and make it available commercially, it must have a full power of 5G instead of marketing. Delivering experience is a must and you need more spectrum, especially in the mid-band. That doesn't mean 1800, 2300 and 2100 MHz can't be used...true 5G will be enabled through mid-band," said Gopal Vittal, CEO of Airtel.

It is premature to launch 5G using existing 4G bands since the 4G ecosystem for devices and applications is fairly matured. "We have been working on this since last one year to make our networks 5G ready. It is a flick of a button. It is important to have the right amount of spectrum for true 5G," Gopal Vittal claimed

A key challenge for Bharti Airtel to make its 5G deployments meaningful, going forward, will be quickly upgrading a majority of its existing 4G sites to support 5G, which is bound to take time and also entail sizeable capex spends.

There are already a million 5G devices active on the Airtel network and pricing will be critical for the success of 5G like it was in the case of 4G. Airtel claims it will work with all device partners to bring 5G smartphones to support all new and existing bands and technologies like dynamic spectrum sharing.

Airtel feels it's important for the adoption of global 5G standard in India for the 5G roll out and for a flouring ecosystem of applications and devices.

The government has also aided the rollout of 5G faster by reducing to six months the notice period for offering any new technology using the spectrum being put up for auction in March. Earlier, the Department of Telecom (DoT) has asked telecom operators to give one year notice before starting any technology using spectrum across the seven frequency bands that will be offered in auction on March 1.

The government has announced plan to auction 2,251.25 Megahertz (MHz) of spectrum worth ₹ 3.92 lakh crore in seven frequency bands -- 700 Mhz, 800 Mhz, 900 Mhz, 1800 Mhz, 2100 Mhz, 2300 Mhz and 2500 Mhz.

Bharti Airtel has demonstrated 5G services in the 1800 Mhz band. Reliance Jio has claimed it is ready for rollout of the next generation technology provided it gets spectrum for the same. It will be interesting to watch this epic 5G rollout battle! ■

से 5जी सेवाओं को लॉन्च कर सकता है क्योंकि उसका नेटवर्क अब पूरी तरह से हाई स्पीड तकनीकी का समर्थन करता है।

एयरटेल के सीईओ गोपाल विट्टल ने बताया कि 'जब हम 5 जी लॉन्च करते हैं और इसे व्यवसायिक रूप से उपलब्ध कराते हैं तो इसमें मार्केटिंग के बजाय 5जी की पूरी शक्ति होनी चाहिए। अनुभव वितरित करना बहुत जरूरी है और आपको अधिक स्पेक्ट्रम की आवश्यकता है, विशेष रूप से मध्य बैंड में। इसका मतलब यह नहीं कि 1800, 2300 और 2100 मेगाहर्ट्ज नहीं हो सकते हैं...सच्चे 5जी को मिड बैंड की सहायता से ही सक्षम किया जायेगा। उपकरणों व अनुप्रयोगों के लिए 4जी पारिस्थितिकी तंत्र काफी परिपक्व होने के बाद से मौजूदा 4जी बैंड का उपयोग करके 5जी को लॉन्च करना समय से पहले है। श्री विट्टल ने बताया कि हम अपने नेटवर्क को 5जी की तैयारी करने के लिए पिछले एक साल से अधिक समय से इस पर काम कर रहे थे। यह एक बटन को झटके देना भर है। सच्चे 5जी के लिए स्पेक्ट्रम की सही मात्रा का होना जरूरी है।

भारती एयरटेल के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है कि वह अपने 5जी तैनाती को सार्थक बनाये, आगे बढ़ते हुए वह अपने मौजूदा 4जी साइटों में से अधिकांश को 5जी का समर्थन करने के लिए जल्दी से अपग्रेड करेगी, जिसमें बहुत अधिक समय खर्च होगा और साथ ही इस काफी अधिक धनराशि भी खर्च करनी पड़ेगी। एयरटेल नेटवर्क पर पहले से ही एक मिलियन 5जी उपकरण सक्रिय हैं और 5जी की सफलता के लिए मूल्य निर्धारण महत्वपूर्ण होगा जैसे कि यह 4जी के मामले में था। एयरटेल का दावा है कि यह सभी उपकरण साझेदारों के साथ काम करेगा ताकि सभी नये व मौजूदा ब्रैंड और गतिशील स्पेक्ट्रम साझाकरण जैसी तकनीकों का समर्थन कर सके। ऐयरटेल 5 जी रोल आउट के लिए, अनुप्रयोगों के लिए और उपकरणों के एक समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भारत में वैश्विक 5जी मानक को अपनाने के लिए इसे महत्वपूर्ण मानता है।

सरकार ने मार्च में नीलामी के लिए लगाये जा रहे स्पेक्ट्रम का उपयोग करके किसी भी नयी तकनीकी की पेशकश के लिए नोटिस की अवधि छह महीने तक घटाकर 5जी के रोल आउट को तेजी से बढ़ाया है। इससे पहले दूरसंचार विभाग (डॉट) ने टेलीकॉम ऑपरेटरों को 1 मार्च को नीलामी में पेश की जाने वाली सात स्पेक्ट्रम बैंडों में स्पेक्ट्रम का उपयोग करने वाली किसी भी किसी भी तकनीक को शुरू करने से पहले एक साल का नोटिस देने को कहा था। सरकार ने सात स्पेक्ट्रम बैंड –700 मेगाहर्ट्ज, 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1800 मेगाहर्ट्ज, 2100 मेगाहर्ट्ज, 2300 मेगाहर्ट्ज और 2500 मेगाहर्ट्ज में 3.92 लाख करोड़ रुपये के स्पेक्ट्रम की 2.251.25 मेगाहर्ट्ज (MHz) की नीलामी की योजना की घोषणा की है।

भारती एयरटेल ने 1800 मेगाहर्ट्ज बैंड में 5जी सेवओं का प्रदर्शन किया है। रिलायंस जियो ने दावा किया है कि वह अगली पीढ़ी की तकनीकी के रोल आउट के लिए तैयार है बशर्ते इसे उसी के लिए स्पेक्ट्रम मिले। इस अनोखी 5जी प्रस्तुतिकरण लड़ाई को देखना दिलचस्प होगा। ■